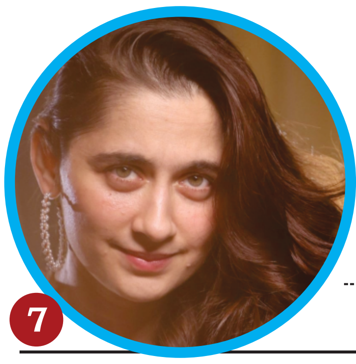

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 छांव में देख सकेंगे शेर

5 यूपीः शेरदिल था मेरा बेटा...

8 टीम इंडिया में लंबे समय बाद लौटा ये मैच विनर
कंगारुओं के लिए टी20 सीरीज में बनेगा काल!

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 18 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 27 नवम्बर, 2023

फिर बदलेगा मौसम

यूपी में बन रहे हैं बारिश के आसार

मौसम विभाग ने ठंडक को लेकर की भविष्यवाणी

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार लसह के मुताबिक, 24 से 27 नवंबर तक पारे में दो डिग्री के आसपास बढ़ोतरी होगी।

लखनऊ। यूपी का मौसम एक बार फिर से करवट लेने जा रहे हैं। मौसम विभाग ने ठंडक और बारिश को लेकर भविष्यवाणी की है। आने वाले समय में जिसका असर पारे पर पड़ना निश्चित है। प्रदेश में एक बार फिर मौसम में बदलाव के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता होने से 27 नवंबर को पश्चिमी यूपी में बारिश की संभावना जतायी है। वहीं, बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 28.1 डिग्री के करीब और न्यूनतम पारा 12 डिग्री तक पहुंच गया। इससे पहले 2014 में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री पहुंचा था। शुक्रवार से पछुआ हवाओं का प्रभाव कम होने से पारे में बढ़ोतरी होगी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, 24 से 27 नवंबर तक पारे में दो डिग्री के आसपास बढ़ोतरी होगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 27 को बारिश की संभावना है। इसके बाद पारा गिरने से ठंड बढ़ेगी। इसका असर लखनऊ समेत आसपास के जिलों में भी होगा। पश्चिम यूपी में होने वाली बारिश का असर प्रदेश के बाकी हिस्सों में भी दिख सकती है। बादलों के छाए रहने से दिन के तापमान में गिरावट होगी।

औसत एक्यूआई पहुंचा 276, हवा बिगड़ी

राजधानी की हवा जहरीली होती जा रही है। बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) औसत 276 पहुंच गया। तालकटोरा में एक्यूआई 352 और लालबाग में 328 पहुंच गया। इन दोनों ही जगह हवा बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच गई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान बढ़ने के साथ एक्यूआई गिरेगा। गोमतीनगर में एक्यूआई 249 रहा, जो खराब की श्रेणी में आता है। केंद्रीय विद्यालय के पास एक्यूआई 262, कुकरैल पिकनिक स्पॉट के पास 207 और बीआर यूनिवर्सिटी के पास 258 दर्ज किया गया। सुबह धुंध भी नजर आई।

परदेसियों और बरात में आए वाहन से भी बढ़ा रहा प्रदूषण

भीड़ से परेशान गोरखपुर

गोरखपुर। आई स्पेशलिस्ट डॉ. वाई सिंह ने कहि कि इन दिनों धूल और धुएं का प्रदूषण ओस की बूंदों के साथ मिलकर स्मॉग बना देता है। इससे आंखों में जलन, लालिमा, खुजली, दर्द होने आदि की समस्या आ रही है। यह स्मॉग आंखों के अलावा फेफड़े के लिए भी खतरनाक है। लोगों में एलर्जी के मामले भी बढ़ रहे हैं।

गोरखपुर शहर में प्रदूषण का स्तर फिर दिवाली के दिन जैसा हो गया है। बृहस्पतिवार को सुबह 11 बजे एक्यूआई 160 तक पहुंच गया। प्रदूषण बढ़ाने में शहर में उड़ रहे धूल के कणों के अलावा वाहनों के धुएं की भी अहम भूमिका है। दिवाली–छठ के बाद परदेसियों के लौटने तो इधर लगन भी शुरू होने से शहर में वाहनों की संख्या बढ़ गई है, इससे प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।

डॉक्टरों का कहना है कि लंबे समय तक प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहने पर फेफड़ा, गला, नाक और हृदय से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक है। पड़ोसी जिला देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज के

अलावा पड़ोसी प्रांत बिहार के गोपालगंज, बगहा, बेतिया, मैरवा आदि तक के लोग दवा और शादी के सामान खरीदने आते हैं। इसीलिए कुशीनगर रोड स्थित मोहद्दीपुर चौराहे पर हर वक्त जाम लगता है। इधर, तीन–चार दिनों से सुबह से लेकर देर शाम तक जाम से लोगों को जूझना पड़ता है। जाम में फंसे वाहनों के धुएं से राहगीरों के अलावा अगल–बगल के घरवाले और दुकानदार भी परेशान हैं।

आई स्पेशलिस्ट डॉ. वाई सिंह ने कहि कि इन दिनों धूल और धुएं का प्रदूषण ओस की बूंदों के साथ मिलकर स्मॉग बना देता है। इससे आंखों में जलन, लालिमा, खुजली, दर्द होने आदि की समस्या आ रही है। यह स्मॉग आंखों के अलावा फेफड़े के लिए भी खतरनाक है। लोगों में एलर्जी के मामले भी बढ़ रहे हैं। ओपीडी में आंख के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

सबसे अधिक शिकायत आंखों में जलन और आंख लाल होने की आती है। लोगों को सलाह दी जाती है कि थोड़ी–थोड़ी देर पर ठंडे पानी से आंखों को धोते रहें। प्रयास करें कि घर से बाहर निकलें तो चश्मा पहन लें या बाइक चलाते समय हेलमेट का शीशा गिराकर रखें, जिससे कि आंखों में धूल व धुएं के कण सीधे न जाएं।

पीलीभीत में दर्दनाक हादसाः ट्रक की टक्कर से पति पत्नी समेत तीन की मौत, आठ माह का बेटा घायल

पीलीभीत। पीलीभीत के न्यूरिया थाना क्षेत्र में टनकपुर हाईवे पर ट्रक की टक्कर से एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में बाइक सवार युवक, उसकी पत्नी और बहन शामिल हैं। युवक का आठ महीने का बेटा घायल हुआ है। पीलीभीत के न्यूरिया थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ है। गांव औरिया और जनकपुरी के बीच टनकपुर हाईवे पर बृहस्पतिवार रात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार पति–पत्नी समेत तीन की मौत हो गई। दंपती का आठ महीने का बेटा गंभीर घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवार में चीख–पुकार मच गई। जानकारी के मुताबिक गांव औरिया निवासी अजयपाल, अपनी पत्नी सरोज कुमारी, बहन सुमन को लेकर बाइक से मेला देखकर लौट रहे थे। सरोज की गोद में आठ महीने का बेटा था। औरिया व जनकपुरी के बीच

टनकपुर हाईवे पर सामने से आ रहे भूसी भरे ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही दंपती और युवती की मौत हो गई।

मां की गोद से छूटकर दूर जाकर गिरा मासूम

आठ माह का बेटा महिला की गोद से छिटक कर दूर जाकर गिरा, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पीछे चल रहे दूसरे ट्रक को पकड़ लिया। उसमें भी भूसी लदी हुई थी। बताया गया है कि दोनों ट्रकों का मालिक एक ही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दूसरे ट्रक चालक से पहले ट्रक की जानकारी ली।

एक सप्ताह पहले हुई थी सुमन की मंगनी

पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मासूम बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उधर, हादसे की खबर मिलते ही अजय के परिवार में मातम पसर गया। रोते–बिलखते परिजन अस्पताल पहुंच गए। बताया गया कि अजय की बहन सुमन की मंगनी बीते सप्ताह ही हुई थी। हादसे ने उनके परिवार की खुशियां छीन लीं हैं। हादसे से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं।

बड़ागांव रंजिश

छत्तीसगढ़ से लाया था बुलेट प्रूफ जैकेट व वाकी–टाकी

पिस्टल–दो राइफल व 215 कारतूस देख पुलिस दंग

वाराणसी। राहुल सिंह की निशानदेही पर नामापुर स्थित उसके एक अन्य घर से पुलिस ने लाइसेंसी असलहों और कारतूस का जखीरा बरामद किया। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि स्थानीय ब्लॉक प्रमुख के पति दीपक सिंह के भाई अरविंद सिंह से उसका जमीन का विवाद अरसे से चल रहा है। जमीन विवाद की रंजिश में गोली मारकर हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी, उसके भाई व एक दोस्त के पास से बरामद हुए लाइसेंसी असलहों और कारतूस के जखीरे को देखकर बड़ागांव थाने की पुलिस दंग रह गई। आरोपियों की पहचान फत्तेपुर निवासी राहुल सिंह व उसके भाई कर्ण सिंह और ईशीपुर गांव के राजू गौड़ के रूप में हुई है। पुलिस को प्रकरण में ईशीपुर गांव निवासी दीनानाथ सरोज की तलाश है।

चारों आरोपियों के खिलाफ पुलिस गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से एक पिस्टल, एक एसबीबीएल गन 12 बोर, एक फोल्डेड राइफल, एक राइफल 30 बोर, 215 कारतूस व 283 खोखा, चार खाली मैग्जीन, एक ड्रैगन लाइट, एक टॉर्च, राइफल स्कोप (दूरबीन का काम करने वाला), तीन वॉकी–टॉकी, एक बुलेट प्रूफ जैकेट और आठ मोबाइल बरामद हुआ है। फत्तेपुर गांव निवासी रिटायर्ड सैन्यकर्मी अरविंद कुमार सिंह ने बुधवार को बड़ागांव थाने की पुलिस को सूचना दी कि रास्ते के विवाद में गालीगलौज करते हुए उनकी हत्या की नीयत से फायरिंग की गई। थानाध्यक्ष बड़ागांव राजकुमार पांडेय ने बताया कि नामजद आरोपी राहुल सिंह व उसके भाई कर्ण सिंह की तलाश में उन्होंने अपनी टीम के दरोगा विवेक कुमार त्रिपाठी, हरिनारायण शुक्ला, मधुकर सिंह व अमित पांडेय के साथ दोनों के घर पर दबिश दी।

पकड़े जाने पर पूछताछ में दोनों भाइयों ने बताया कि उनके दो अन्य साथी दीनानाथ सरोज और राजू गौड़ ईशीपुर स्थित अपने घर पर मौजूद हैं। ईशीपुर में दबिश दी गई तो दीनानाथ भाग निकला और राजू पकड़ा गया।

लोड थे लाइसेंसी असलहे, जान से मारने की थी तैयारी

राहुल सिंह की निशानदेही पर नामापुर स्थित उसके एक अन्य घर से पुलिस ने लाइसेंसी असलहों और कारतूस का जखीरा बरामद किया। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि स्थानीय ब्लॉक प्रमुख के पति दीपक सिंह के भाई अरविंद सिंह से उसका जमीन का विवाद अरसे से चल रहा है।

बुधवार को फायरिंग में जब अरविंद सिंह बाल–बाल बच गया तो उसे लगा कि बात बढ़ेगी। इसके बाद उसने चारों लाइसेंसी असलहे लोड कर तैयारी कर ली थी कि आज आर–पार की लड़ाई लड़ी जाएगी, लेकिन उससे पहले ही पुलिस आ गई।

सम्पादकीय

कैसे भी न जले पराली

पराली और प्रदूषण एक दूसरे के पर्याय हैं वर्षों से। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को घेरे राज्यों में अक्टूबर-नवम्बर में पराली जलती है-पूरी दिल्ली कुहासे के 'गैस चेम्बर' में वदल जाती है। वह हांफने-खांसने लगती है। विशेषज्ञ वताते हैं कि इससे व्यक्ति की उम्र में से कम से कम दो साल घट जाते हैं और जो मर्ज वन जाता है, उसके लिए दवा-दारू का वजट वाकी जिंदगी भर के लिए वढ़ जाता है, वह समस्या का एक दारुण विषय है। इससे नागरिकों को वचाने और पराली जनित प्रदूषण को खुद की पहल से रोकने की पहली जवावदेही जिस राजनीति की और सरकारों की थी, वे अपने हाथ सेंकती रही हैं। यह आज भी केंद्र और राज्यों में समान या विरोधी दल की सरकारों के हिसाव से जारी है, जो सर्वोच्च न्यायालय की आगाह करती टिप्पणियों से जाहिर होता रहता है। इसने

नागरिकों के स्वास्थ्य और उनके जीवन पर विकटता को और वढ़ाने का काम ही किया है। ऐसे परिदृश्य में सर्वोच्च न्यायालय का सालाना हस्तक्षेप एक विवश कवायद है। पर यह उसके सक्रिय नियमनों का ही नतीजा है कि सरकारें इसे लेकर थोड़ी गंभीर और कामकाजी हुई हैं। फिर भी वे नाकाफी सावित हो रहे हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्वीकृत मानकों से राजधानी क्षेत्र में पांच गुना से अधिक वने रहना सुधार नहीं कहा जाएगा। जाहिर है, पंजाव (मुख्य रूप से), हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के खेतों में पराली ही जल रही है। इसलिए न्यायालय ने पराली जलाने के शिनाख्ती किसानों के धान पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रोकने और वैकल्पिक फसल की वात कही है। महज 11 दिनों में यह दूसरा नियमन है। पंजाव-हरियाणा में तो खेतों में लगी दो फुट ऊंची पराली के प्रवंधन के लिए महंगी मशीनों की खरीद को उत्साहित करने के लिए किसानों को 80 फीसद तक सव्सिडी दी जा रही है, जुमनि में उनसे करोड़ों रुपये वसूले गए हैं और केस भी दर्ज हुए हैं। फिर भी क्या इसमें किसान अकेले 'खलनायक' हैं, जो भारी-भरकम आवादी वाली दिल्ली को दमन 'भट्ठी' वनाने पर तुले हैं? यह न मान कर अदालत किसानों को सुनना चाहती है। वे वताएंगे कि धान से किसानों की कमाई ज्यादा होती है। इससे भूजल में चिंतनीय स्तर की गिरावट होने और दलहन पर एनएसपी की अधिक राशि दिए जाने के वावजूद। इसके लिए नीति वनानी होगी। अलवत्ता, गरीव किसानों को पराली से निवटने वाली मशीनें फ्री में दी जाएं तो फिजां वदल सकती है। पर पराली प्रदूषण की अकेली वजह नहीं है।

चार दिनों की शांति

पिछले डेढ़ महीने से जारी हमास–इस्राइल जंग में आखिर एक विराम आया, जब इस्राइली संसद ने बुधवार को युद्धविराम के समझौते को मंजूरी दे दी। हालांकि इस बीच इस युद्ध के कारण गाजा में 14,000 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं और 2,700 अन्य लोग लापता हैं। इन लापता लोगों में अधिकांश के मलबों के नीचे आने की बात कही जा रही है, जिसका मतलब यह है कि लाशें भले न मिली हों, लेकिन उनके जिंदा बचे होने की कोई संभावना नहीं रह गई है। इतने बड़े नुकसान की कीमत पर हासिल यह युद्धविराम भी अस्थायी है। इसकी मियाद महज चार दिनों की है। इस दौरान हमास 50 बंधकों को रिहा करेगा जिनमें महिलाएं और बच्चे होंगे। बदले में इस्राइल की जेलों में बंद 150 फलस्तीनी छोड़े जाने हैं। जाहिर है, इस युद्धविराम को संभव बनाने वाला सबसे बड़ा कारक वे 240 लोग हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर के आंतकवादी हमले में हमास के हमलावर बंधक बना ले गए थे। इनमें इस्राइल के साथ 40 देशों के नागरिक शामिल हैं। इनकी सुरक्षित रिहाई का दबाव अलग–अलग देशों की सरकारों पर है। खुद इस्राइल में भी नेतन्याहू पर इसका दबाव लगातार बढ़ता जा रहा था। अगर इस समझौते से जुड़े तमाम पहलुओं पर सही ढंग से अमल हुआ तो न केवल दोनों तरफ से 200 लोग कैद से मुक्त होंगे बल्कि गाजा में चौबीसो घंटे बमों की बारिश झेल रहे लोग भी चार दिनों के लिए ही सही, पर राहत महसूस करेंगे। इस बीच उनके लिए मानवीय सहायता भी पहुंचेगी और ईंधन की कमी के चलते बंद पड़े अस्पताल दोबारा शुरू हो पाएंगे।

अफसोस और चिंता की बात यह होगी इन सबके पीछे यह भाव लगातार काम करता रहेगा कि यह राहत सिर्फ चार दिनों के लिए है। इसके ठीक बाद फिर वही हालात बन जाने हैं। क्या इसका मतलब यह है कि हमास और इस्राइल दोनों पक्ष इस अवधि का इस्तेमाल अपनी तैयारियों को मजबूती देने के लिए करेंगे ताकि चार दिन के बाद और विनाशकारी युद्ध को अंजाम दे सकें? सारी संभावनाएं इसी ओर इशारा कर रही हैं। हालांकि ध्यान रहे, 50 बंधकों की रिहाई के बाद भी करीब 190 बंधक हमास के कब्जे में होंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस्राइल ने कहा है कि वह इस अवधि के समाप्त होने के बाद भी हर दस बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम को एक–एक दिन बढ़ाता रह सकता है। किसी भी उपाय से अगर युद्धविराम लंबा खिंचता है तो यह एक अच्छी बात होगी, लेकिन इसे काफी नहीं माना जा सकता। सवाल है कि 19 दिनों में सभी बंधकों के रिहा होने के बाद क्या होगा? जरूरत सिर्फ अपने लोगों को सुरक्षित निकालने की नहीं, यह समझने की है कि किसी भी तरफ के बेकसूर लोगों की जान जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए हमास के खात्मे के नाम पर गाजा में हो रहे जान–माल के नुकसान पर स्थायी रोक लगनी चाहिए।

कटाक्ष/ सहीराम

बड़ा नाम हुआ

देखो जी, नाम हो तो ऐसे हो, जैसे कपिल देव का हुआ। तिरासी में वर्ल्ड कप जीता तो उनका नाम हुआ और तेईस में वर्ल्ड कप हारा तो भी उन्हीं का नाम हुआ। नहीं नहीं, यह चित्त भी मेरी और पट्ट भी मेरी वाला मामला नहीं है। उनका नाम तो वैसे ही हुआ जैसे दावत में पहुंचने वालों का तो नहीं होता, लेकिन जो दावत में नहीं होता, उसका खूव जिक्र होता है-अरे भई फलांजी नहीं दिख रहे। आए नहीं क्या? नाराज तो नहीं हैं? क्या वुलाया नहीं था। न्योता नहीं गया क्या! जो मैच देखने गए, उनका तो कोई भी नाम नहीं ले रहा। अरे भाई फिल्मी सितारे गए थे, मैच देखने, दूसरे सेलिव्रिटी गए थे, पर उनका कोई नाम ही नहीं ले रहा।

जिक्र है तो वस कपिल देव का। फसाना है तो वस कपिल का। वो क्या कहते हैं फसाने में जिसका कोई जिक्र भी न था, वही जलकुकड़ों को सवसे नागवार गुजर रहा है। वैसे तो वहां धोनी भी नहीं थे। पर उनका उतना जिक्र नहीं हो रहा, जितना कपिल का हो रहा है कि वुलाया नहीं, वुलाया नहीं। धोनी भी यह शिकायत कर सकते हैं कि यार वर्ल्ड कप तो हम भी लेकर आए थे। लेकिन ये दोनों वर्ल्ड कांग्रेस राज में ही क्यों जीते गए जी। मौका था, कम से कम एक तो भाजपा राज में जीत लेते। कहते हैं कि प्रधानमंत्री तो इस जीत के भरोसे ही मैच देखने गए थे। वैसे ही जैसे उस वाले चंद्रयान की लैंडिंग देखने गए थे, जो विफल रही थी। विफलता के वाद तो सांत्वना ही वचती है तो वह उन्होंने वैज्ञानिकों को भी दे दी और क्रिकेट खिलाड़ियों को भी दे दी। खैर जी, इतना जिक्र तो भई महामहिम राष्ट्रपति जी का भी नहीं हुआ था, जव उन्हें नये संसद भवन के उद्घाटन पर नहीं वुलाया गया था। जहां प्रधानमंत्री जाते हैं, वहां तो उनसे कम महत्वपूर्ण लोग नहीं जा पाते। जैसे जव वे किसी रेल को हरी झंडी दिखाने जाते हैं तो वहां रेल मंत्री कहां जा पाते हैं। वे दिन में पता नहीं कितनी परियोजनाओं का उद्घाटन करते हैं, लेकिन संवंधित परियोजनाओं वाले मंत्रालयों के मंत्री थोड़े ही जा पाते हैं वहां। कहते हैं वहां कपिल देव का सम्मान होना था, पर उन्हें तो वहां वुलाया ही नहीं गया। कपिल देव को मैच देखने नहीं वुलाया तो यह उनके लिए अच्छा ही हुआ कि उनकी तुलना राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से होने लगी कि उन्हें भी नहीं वुलाया गया, इन्हें भी नहीं वुलाया गया। इतना सम्मान कहां मिलता है! नहीं?

धर्मयुद्ध

सामाजिक विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों में रामायण-महाभारत जैसे महाकाव्यों को शामिल किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की उच्चस्तरीय समिति ने इस संवंध में सिफारिश की है। सात सदस्यीय समिति के अध्यक्ष सीआई आईजैक ने कहा- छात्र किशोरावस्था में अपने आत्मसम्मान, देशभक्ति व राष्ट्र के लिए गौरव का निर्माण करते हैं। प्रति वर्ष हजारों छात्रों के विदेशी नागरिकता लेने को उन्होंने देशभक्ति की कमी वताया। समिति ने इंडिया की जगह देश का नाम भारत प्रयोग करने व प्राचीन इतिहास के वजाय क्लासिकल हिस्ट्री शामिल करने और हिन्दुओं की जीतों को रेखांकित करने की पहले ही सिफारिश कर चुकी है। छात्रों को देश के इतिहास, संघर्षों, विकास व संस्कृति के विषय में पढ़ाना अच्छी वात है। उन्हें लोकतंत्र व सामाजिक मूल्यों के वारे में विस्तार से वताना भी जरूरी है। मगर ख्याल रखना होगा कि हम पंथनिरपेक्ष व्यवस्था हैं। वच्चों को ऐसी चीजों का

अध्ययन कराया जाए जिनमें किसी खास पक्ष की तरफ रुझान न होता हो। इन सिफारिशों से स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार के धार्मिक झुकावों का विशेष ख्याल रखा गया है। रामायण-महाभारत को निःसंदेह महाकाव्यों का रुतवा प्राप्त हैं परंतु ये धार्मिक ग्रंथ ज्यादा हैं। वच्चों के संवेदनशील व कोमल मन में हमें ऐसी कोई एकपक्षीय भावनाएं नहीं पोपित करनी चाहिए। देश की धर्मनिरपेक्षता की छवि धूमिल होने से वचाने की भी आवश्यकता है। सभी धर्मों के वेहतरीन ज्ञान को इस अध्ययन में शामिल करना उचित होगा। मेधावी छात्रों के पलायन को देशभक्ति के आईने से देखने के वजाय उनकी प्रतिभा को यहां उचित मुकाम न प्राप्त होने के कारणों को समझना होगा। इतिहास से छेड़छाड़ करने के पूर्व गंभीर विवेचन व इतिहासकारों की सलाह लेना भी जरूरी है। पहले भी पाठ्य पुस्तकों की सामग्री को लेकर विवाद होते रहे हैं। किशोरों के समक्ष रोल मॉडल रखने के तरीकों को अत्याधुनिक वनाने के प्रयास होने चाहिए। हमारे इर्द-गिर्द जो नकारात्मकता, भ्रष्टाचार व स्तरहीनता की घटनाएं निरंतर खवरों में रहती हैं, इसके प्रयास हों कि कोमल वाल मन उनसे प्रभावित न हो और पाठ्य पुस्तकों में शामिल की जाने वाली सामग्री पर पक्षपाती रुख कतई नहीं झलके। सामूहिकता, सहिष्णुता व सर्वधर्म सम्मान भी हमारी विरासत व संवैधानिक गुण हैं, इनकी अवहेलना उचित नहीं कही जाएगी।

जनता दर्शन तक गंदगी की शिकायत पहुंची तो होगी कार्रवाई

सफाई व्यवस्था को लेकर गोरखपुर के नगर आयुक्त ने चेताया

गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने सफाई व्यवस्था को लेकर हिदायत दी है कि कहीं से भी गंदगी की सूचना मिले तो तत्काल उसका निस्तारण कराया जाए। कहा कि गंदगी को लेकर यदि मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में कोई शिकायत पहुंची तो संबंधित की जवाबदेही तय करते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त बुधवार को जनसुनवाई समाधान प्रणाली (आइजीआरएस) समेत कार्यालयों में मिलने वाली शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए बैठक कर रहे थे। महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के निस्तारण में हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बताया गया कि वर्तमान में 200 मामले लंबित हैं। इसपर उन्होंने अभियान चलाकर जल्द सभी का निस्तारण कराने को कहा। साथ ही यह भी चेताया कि कोरम पूर्ति की गई तो कार्रवाई की जाएगी। सभी मामलों का गुणवत्तायुक्त निस्तारण होना चाहिए। महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने निर्देश दिया गया कोई भी जन शिकायत या आइजीआरएस प्राप्त हो तो निस्तारण की आखिरी तारीख का इंतजार न करें। शिकायत प्राप्त होते ही निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि सभी अभियंता अपने–अपने क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों का निरीक्षण कर पैच वर्क और सड़कों को गड्ढा मुक्त कराएं। कई सड़कों पर अभी भी गड्ढे पड़े होने पर नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिया कि डिवाइडरों पर लगाए जा रहे पोस्टर को हटवाने के साथ ही इन्हें लगाने वाली फार्मों का चालान किया जाए। नगर आयुक्त ने नालों पर किए गए अतिक्रमण को हटवाने और सड़कों से अतिक्रमण हटाने का भी निर्देश दिया। इसी तरह निर्माण विभाग के सभी अभियंताओं एवं जोनल अधिकारियों को जल भराव वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां नाली– सड़क बनवाकर जल भराव मुक्त कराने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र, निरंकार सिंह, शिवपूजन यादव, सुरेंद्र सिंह, उप नगर आयुक्त डा. मणि भूषण तिवारी, सहायक नगर आयुक्त अविनाश प्रताप सिंह, मुख्य अभियंता संजय चौहान समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

गोरखपुर में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त ने हिदायत दी है। लंबित शिकायतों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में नगर आयुक्त ने चेताया। उन्होंने कहा कि सीएम के जनता दर्शन तक गंदगी की शिकायत पहुंची तो कार्रवाई होगी। उन्होंने अभियान चलाकर जल्द सभी का निस्तारण कराने को कहा। साथ ही यह भी कहा कि सभी मामलों का गुणवत्तायुक्त निस्तारण होना चाहिए।

बेटियों का सौदा

जयकरन करवाता है सौदा, प्रियंका बनाती है माहौल

गरीबों की बस्ती के बंटी बबली

गोरखपुर। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने कहा कि आरोपी जयकरन और बरेली से आए लोगों से पूछताछ की गई है। आरोपी ने 40 शादियां कराने की बात स्वीकार की है। कुछ युवतियों के परिवार वालों को भी बुलाया गया है। उन्होंने स्वेच्छा से शादी की बात कही है। गोरखपुर जिले में भटहट इलाके की युवती का बरेली के युवक से सौदा करने के मामले की जांच में पुलिस को पता चला है कि आरोपी डॉक्टर उर्फ जयकरन ने रुपये लेकर 40 से अधिक युवक–युवतियों की शादी कराया है। वह गरीब व असहाय परिवार के लोगों के संपर्क में रहता है और हरियाणा, राजस्थान, बदायूं, बरेली के युवकों से शादी करवाता है।

माहौल बनाने में उसका साथ देती है रसूलपुर की गीता उर्फ प्रियंका। गरीबों कह बस्तियों में बेटियों की शादी कराने के नाम पर उसका सौदा करवाने वाले बंटी–बबली पर पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस को यह भी पता चला है कि आरोपी पहले भी युवती को फोटो भेजकर पंसद कराता है, इसके बाद रकम तय होती है।

कई की उसने कोर्ट मैरिज भी कराई है। आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। उसने यह भी बताया है कि पहली बार बिना शादी कराए उसने युवक–युवती को भेजा और पकड़ा गया। पुलिस ने कुछ महिलाओं से भी संपर्क किया है, लेकिन उन्होंने स्वेच्छा से शादी होने की बात कही है।

बीते बरेली के सिरौली मुगलपुर के रहने वाला राजकुमार अपने फूफा के लड़के शिवपुरी सिरौली के प्रशांतदीप के साथ कार से शादी करने आया। उसने खुद दर्ज कराए केस में स्वीकार किया है कि 63 हजार रुपये में युवती से शादी का सौदा तय हुआ था। यहां डॉक्टर ने एक युवती को कार में बैठाया और साथ भेज दिया। इधर, बेतियाहाता के पास पहुंचने पर युवती शोर मचाने लगी तो लोगों ने कार को रोक लिया।

कैंट पुलिस आरोपियों को पकड़कर थाने लाई। देर रात युवती को उसकी मां थाने आकर घर लेते गई। बुधवार को कैंट पुलिस ने आरोपियों का शांतिभंग में चालान और मजिस्ट्रेट के सामने उपस्थित कराया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई। उधर, बरेली से आए युवकों ने जालसाजी का केस दर्ज कराया।

पुलिस ने आरोपी डॉक्टर उर्फ जयकरन को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने शादी कराने की बात कबूल की है। उसने बताया कि सभी की शादी उनके परिवार के रजामंदी से होती है और सभी बालिग हैं। इसके बदले जो रुपये मिलते हैं, वह सभी में बराबर–बराबर बांट देता है।

गीता ने अपना नाम बदलकर बताया था प्रियंका

इस पूरे प्रकरण में जिस प्रियंका नाम की युवती का नाम सामने आया है, उसका असली नाम गीता है और वह गोरखनाथ के रसूलपुर की रहने वाली है। जांच में पता चला है कि डॉक्टर उसे जरूरत पड़ने पर बुलाता था और उसके जरिए ही किसी युवती का सौदा करता था। कोर्ट मैरिज कराने के दौरान वह भी युवती के साथ मौजूद रहती थी। इस बार भी वह बुलाने पर ही आई थी।

एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने कहा कि आरोपी जयकरन और बरेली से आए लोगों से पूछताछ की गई है। आरोपी ने 40 शादियां कराने की बात स्वीकार की है। कुछ युवतियों के परिवार वालों को भी बुलाया गया है। उन्होंने स्वेच्छा से शादी की बात कही है। पुलिस जांच कर रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

छांव में देख सकेंगे शेर

भालू...7–डी थिएटर का शुल्क भी हुआ कम

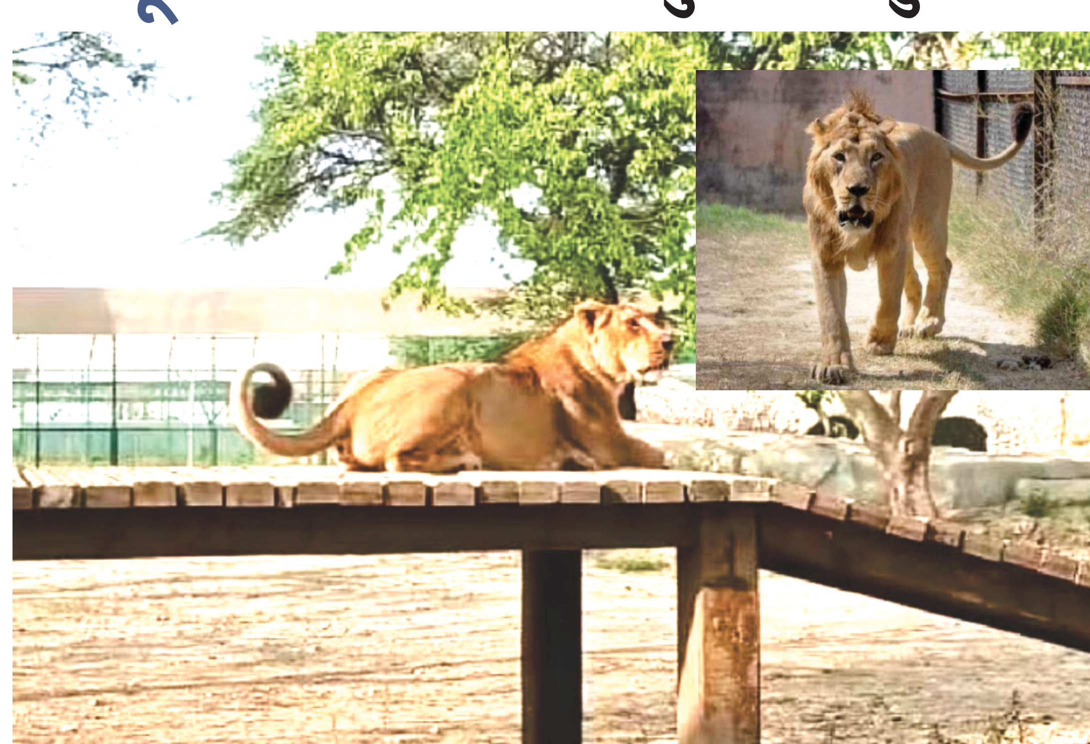

गोरखपुर। चिड़ियाघर के 30 एकड़ में फैले वेटलैंड में चिड़ियों को देखने के लिए वॉच टॉवर बनेगा और दूरबीन लगाई जाएगी। प्रवेश द्वार, हॉल की दीवारों पर वन्य जीवों के प्रति जागरूक करने वाले पोस्टर लगाए जाएंगे। गोरखपुर चिड़ियाघर आने वाले लोग जल्द ही छांव में खड़े होकर शेर, भालू और हिरण सहित अन्य जानवरों को देख सकेंगे। इसके लिए सात अलग–अलग स्थानों पर शेड लगाए जाएंगे। वहीं वन्य जीवों पर आधारित फिल्म को 7–डी थियेटर में देखने का शुल्क भी घटा दिया गया है। दर्शकों को अब 159 की जगह 100 रुपये और 100 रुपये की जगह 70 रुपये ही शुल्क देना होगा।

ये अहम निर्णय बृहस्पतिवार को प्राणि उद्यान गोरखपुर सोसायटी की चौथी बैठक में लिए गए। अमर उजाला ने भ्रमण के समय दर्शकों के लिए शेड की व्यवस्था न होने का मुद्दा उठाया था, जिसके बाद वन मंत्री ने अधिकारियों को व्यवस्था कराने का निर्देश दिया था। सोसायटी की बैठक में तय किया गया कि परिसर के अंदर ऐसे सात स्थानों को चिह्नित किया जाए, जहां बाड़े के सामने भीड़ ज्यादा होती है। ऐसे स्थानों पर शेड का निर्माण कराया जाएगा।

इजरायल से लाए गए जेब्रा को गोरखपुर चिड़ियाघर लाए जाने का मुद्दा भी उठा। तय हुआ कि इस मामले में एक कमेटी का गठन किया जाएगा। यह कमेटी लखनऊ चिड़ियाघर जाकर जेब्रा के हाव–भाव और स्वभाव का परीक्षण करेगी। इसके बाद जेब्रा को गोरखपुर लाए जाने पर फैसला होगा। लंबे समय से बंद पड़े तितली घर को भी सुदृढ़ कराने के लिए एक तकनीकी कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया। काम पूरा होने के बाद तितली घर को दर्शकों के लिए खोला जाएगा।

बैठक में अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष एस के शर्मा , प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव अंजनी कुमार आचार्य, नीरज कुमार, निदेशक डॉ मनोज कुमार शुक्ला, सदस्य अरविंद विक्रम चौधरी, डॉ योगेश प्रताप सिंह, रेंजर रोहित सिंह, जयसिंह आदि मौजूद रहे।

वेटलैंड में बनेगा टॉवर

चिड़ियाघर के 30 एकड़ में फैले वेटलैंड में चिड़ियों को देखने के लिए वॉच टॉवर बनेगा और दूरबीन लगाई जाएगी। प्रवेश द्वार, हॉल की दीवारों पर वन्य जीवों के प्रति जागरूक करने वाले पोस्टर लगाए जाएंगे।

डिफेंस एंड स्पेस सहित विभिन्न सेक्टर में साझेदारी करेगा बेल्जियम

सीएम योगी से मिले राजदूत

लखनऊ। यूरोपियन देश किंगडम ऑफ बेल्जियम के भारत में राजदूत डिडिएर वेंडरहासेल्ट ने मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ आये चार सदस्यीय दल ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न सेक्टरों में साझेदारी के लिए इच्छा व्यक्त की है। यूरोपियन देश किंगडम ऑफ बेल्जियम के भारत में राजदूत डिडिएर वेंडरहासेल्ट ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ आये चार सदस्यीय दल ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न सेक्टरों में साझेदारी के लिए इच्छा व्यक्त की है। खासकर वेस्ट मैनेजमेंट, डिफेंस एंड स्पेस, सोलर प्रोजेक्ट और सेमी कंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बेल्जियम की ओर से गहरी रुचि दिखाई गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान किंगडम ऑफ बेल्जियम के राजदूत डिडएर वेंडरहासेल्ट ने उत्तर प्रदेश में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों की तारीफ की।

इस दौरान वीटो अरबिया साइंस एंड टेक्नोलॉजी एलएलसी के साउथ एशिया और इंडिया ऑपरेशंस के लीड इब्राहिम हफीउर रहमान ने कंपनी द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों का विवरण भी मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किया गया। मुलाकात के दौरान मुख्य रूप से भारत में बेल्जियम दूतावास में प्रथम सचिव पाउला पुपे और फ्लैंडर्स इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेड व बेल्जियम की व्यापार आयुक्त बैबेट डेसफोसेज भी शामिल रहीं।

गंवानी पड़ी प्रधानी

गांव प्रधान ने कर दी यह एक बड़ी गलती, डीएम को चल गया पता–

ग्राम प्रधान ने अनियमितता के आरोपों को झूठा साबित करने के लिए हर स्तर पर कानूनी दांवपेच व हथकंडे अपनाए लेकिन प्रधान के विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप सिद्ध पाए गए। इस पर डीएम ने ग्राम प्रधान को पद से हटाने की कार्रवाई की है। जिलाधिकारी ने जिले के सभी ग्राम प्रधानों अधिकारियों व कर्मचारियों को भी आगाह किया है कि कार्यों को शासन के नियमों के तहत संपादित कराएं।

संवादसूत्र, बलरामपुर । फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर विकास खंड तुलसीपुर के लालनगर सिपहिया के प्रधान बने शमीम अहमद के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर दी गई है। अनियमितता के आरोपी की प्रधानी चली गई है। जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने उसे प्रधान पद से हटा दिया है। जिलाधिकारी ने यूपी पंचायती राज अधिनियम की धारा 95(1)–जी के तहत अनियमितता सिद्ध होने पर प्रधान से हटाने की कार्रवाई की है। पंचायती राज अधिनियम व अन्य नियमों की अवहेलना कर प्रधानी हासिल करने का दोषी पाया गया है। जिलाधिकारी ने गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी जारी की है।

विकास खंड तुलसीपुर के लालनगर सिपहिया निवासी अखिलेश्वर पुत्र खेदू ने जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में शिकायत की थी कि नौ अप्रैल 2021 को शमीम अहमद ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर प्रधानी का चुनाव लड़ा था। चुनाव जीत भी गए। यहां की सीट पिछड़ा वर्ग के कोटे में आरक्षित थी। उनकी शिकायत पर जिला स्तरीय समिति ने सात जुलाई 2023 को आरोपित प्रधान के जाति प्रमाण पत्र का सत्यापन किया।

तीन अगस्त 2023 को जिला स्तरीय समिति ने शमीम अहमद का पिछड़ा वर्ग का जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया। आरोपित प्रधान का डोंगल निरस्त कर डिजिटल हस्ताक्षर भी तत्काल हटा दिया गया। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत लालनगर सिपहिया के प्रधान से संबंधित आरोपों की जांच कराई। जांच में आरोप सिद्ध पाए गए।

जिलाधिकारी ने प्रधान को पद से हटा दिया है। हालांकि आरोपित ग्राम प्रधान ने अनियमितता के आरोपों को झूठा साबित करने के लिए हर स्तर पर कानूनी दांवपेच व हथकंडे अपनाए, लेकिन प्रधान के विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप सिद्ध पाए गए। इस पर डीएम ने ग्राम प्रधान को पद से हटाने की कार्रवाई की है। जिलाधिकारी ने जिले के सभी ग्राम प्रधानों, अधिकारियों व कर्मचारियों को भी आगाह किया है कि कार्यों को शासन के नियमों के तहत संपादित कराएं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ करने की चेष्टा न करें। अन्यथा गोपनीय जांच कराकर पंचायती राज अधिनियमों एवं अन्य सुसंगत नियमों के तहत तत्काल कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दो भाइयों के बीच बाइक ले जाने को लेकर होने लगी मारपीट

बीच बचाव करने पहुंचे शख्स के साथ हुआ कुछ ऐसा, परिवार का रो–रोकर बुरा हाल

संवाद सूत्र, रौनापार (आजमगढ़)। मृतक राम पलट निषाद घर पर ही रहते थे। उनके संतोष अशोक चंद्रिका और शैलेश चार लड़के हैं। सभी घर पर रहते हैं और मजदूरी का कार्य करते हैं। पत्नी परमावती देवी का रो– रो कर बुरा हाल है। रौनापार पुलिस ने शव को पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पुत्र चंद्रिका निषाद की दर्ज कर पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

रौनापार थाना के सरधौली गड़थौली बुढ़ानपुर (केवटहिया) गांव में सोमवार की सुबह 8.30 बजे श्रवण निषाद पुत्र लालधर निषाद, उनकी पत्नी चंदा का श्रवण के भाई शंकर पुत्र लालधर से बाइक ले जाने को लेकर विवाद हो रहा था। इस बीच कहासुनी में दोनों पक्ष में लाठी से मारपीट होने लगी। बीच बचाव करने गए राम पलट निषाद पुत्र सूरत निषाद उम्र 55 वर्ष घायल हो गए। घायल रामपलट को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलरियागंज ले जा रहे थे कि रास्ते में ही मौत हो गई।

परिजन शव को लेकर वापस घर पर चले आए। घटना के बाद रौनापार पुलिस ,बिलरियागंज पुलिस, सीओ सगड़ी महेंद्र नाथ शुक्ला मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मुकदमा पंजीकृत करने के लिए पीड़ित पक्ष की तरफ से तहरीर ली। मृतक राम पलट निषाद घर पर ही रहते थे। उनके संतोष, अशोक, चंद्रिका और शैलेश चार लड़के हैं। सभी घर पर रहते हैं और मजदूरी का कार्य करते हैं। पत्नी परमावती देवी का रो– रो कर बुरा हाल है। रौनापार पुलिस ने शव को पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पुत्र चंद्रिका निषाद की दर्ज कर पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

बलरामपुर के रोशन हास्पिटल एंड जच्चा–बच्चा केंद्र में गर्भवती की मौत पर हंगामा, अस्पताल सीज

बलरामपुर में रोशन हास्पिटल एंड जच्चा–बच्चा केंद्र सादुल्लाहनगर में आपरेशन के बाद गर्भवती की मौत होने से आक्रोशित स्वजन ने जमकर हंगामा काटा। हास्पिटल सीज करने और आरोपित चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा लिखने की मांग को लेकर परिवारजन शव रखकर रेहारा बाजार–सादुल्लाहनगर मार्ग जाम कर दिया।

बलरामपुर। रोशन हास्पिटल एंड जच्चा–बच्चा केंद्र सादुल्लाहनगर में आपरेशन के बाद गर्भवती की मौत होने से आक्रोशित स्वजन ने जमकर हंगामा काटा। हास्पिटल सीज करने और आरोपित चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा लिखने की मांग को लेकर परिवारजन शव रखकर रेहारा बाजार–सादुल्लाहनगर मार्ग जाम कर दिया। भीड़ बढ़ती देख अस्पताल संचालक समेत सभी स्टाफ भाग गए।

हास्पिटल सीज और आरोपित चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा लिखने के बाद रास्ता खाली किया। हास्पिटल में भर्ती तीन मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादुल्लाहनगर भेज दिया गया। ग्राम गूमा फातमाजोत निवासी अनिल कुमार जायसवाल ने बताया कि 31 अक्टूबर को शाम सात बजे 32 वर्षीय पत्नी रीना कुमारी को रोशन हास्पिटल सादुल्लाहनगर डा. परवेज अहमद के क्लीनिक पर अल्ट्राउासंड रिपोर्ट दिखाने के लिए गया था।

रात नौ बजे डा. परवेज अहमद बीयूएमएस ने बताया कि आपकी पत्नी का आपरेशन करना पड़ेगा। इसके बाद पत्नी का ब्लड सेंपल राज पैथोलाजी भेजा। जांच में हीमोग्लोबिन आठ प्रतिशत निकला। ब्लड कम होने की बात डाक्टर को बताई। इस पर डा.परवेज अहमद ने डाटते हुए कहा कि डाक्टर हम है कि तुम। कहा कि तत्काल 20 हजार रुपये की व्यवस्था करें। किसी तरह पैसों की व्यवस्था करके जमा किया। रात करीब 10.26 पर डा. कारसाज बीयूएमएस, डा. आफताब व सादाब अहमद पुत्रगण महंगू निवासी नेवादा थाना सादल्लाहनगर ने मिलकर पत्नी का आपरेशन किया। बेटी का जन्म हुआ।

रात 12 बजे पत्नी की स्थित गंभीर होने पर गोंडा लेकर गए। जहां चिकित्सक ने बताया कि ब्लड कम था। आपरेशन नहीं करना चाहिए। गोंडा पहुंचते ही पत्नी ने दम तोड़ दिया। बेटी स्वस्थ है। प्रभारी निरीक्षक बृजनंद सिंह ने बताया कि डा. परवेज अहमद, डा. कारसाज, डा. आफताब व डा. सादाब अहमद के खिलाफ धारा 304 व इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट के तहत मुकदमा लिखा गया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है।

हंगामा की सूचना पर पहुंचे अधिकारी

चक्का जाम कर हंगामा की सूचना पर क्षेत्राधिकारी उतरौला ज्योतिश्री, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी जय प्रकाश, सीएचसी अधीक्षक उत्कर्ष मिश्र व तहसीलदार ने पहुंचकर हास्पिटल सीज करने की कार्रवाई की। अपर सीएमओ ने बताया कि हास्पिटल सीज कर दिया गया है। पंजीकरण आदि की भी पड़ताल के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

हाथी पालतू है या जंगली आपदा और वन विभाग में ठनी

गोरखपुर। अर्से तक भाजपा विधायक विपिन सिंह की शान रहा उनका हाथी गंगाराम अब जिला प्रशासन, आपदा और वन विभाग के लिए सिरदर्द बन गया है। परिस्थितियों और सरकारी तंत्र के फेर में उलझा गंगाराम कभी पहचान तो कभी अपनी खुराक को लेकर पिछले नौ महीने से चर्चा में है। गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन अब उसे अपना नहीं बता रहे हैं तो वन विभाग उसे पालतू मान रहा है।

आपदा और वन विभाग में खींचतान बढ़ी

गंगाराम से जुड़ा ताजा मामला तीन लाख रुपये की प्रतिपूर्ति की धनराशि को लेकर गरमाया है, जिसमें आपदा और वन विभाग में खींचतान बढ़ गई है। गोरखपुर शहर से सटे चिलुआताल थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर माफी गांव में इस साल फरवरी में महायज्ञ के दौरान कलश यात्रा में बिदके हाथी गंगाराम ने तीन लोगों की जान ले ली थी। मृतकों को पांच–पांच लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा हुई थी।

राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत आपदा विभाग को चार–चार लाख रुपये और वन विभाग को एक–एक लाख रुपये देने थे, लेकिन हाईप्रोफाइल मामले के तूल पकड़ने के भय से आपदा विभाग ने तीनों मृतकों के स्वजन को पांच–पांच लाख रुपये दे दिए। अब आपदा विभाग स्वजन को अतिरिक्त दी गई तीन लाख रुपये की धनराशि वन विभाग से मांग रहा है।

हाथी पालतू होगा तो आर्थिक सहायता नहीं दी जाएगी

वन विभाग की दलील है कि गाइडलाइन के मुताबिक, जंगली हाथी के हमले में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने की दशा में तो विभाग आर्थिक सहायता देने के लिए अधिकृत है, मगर यह हाथी पालतू है। ऐसे में वह प्रतिपूर्ति की धनराशि नहीं दे सकता है। इसके उलट आपदा विभाग दलील दे रहा कि गाइडलाइन में कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि हाथी पालतू होगा तो आर्थिक सहायता नहीं दी जाएगी। आपदा विभाग को तय धनराशि से अधिक खर्च करने पर मामला आडिट में फंसने का भय सता रहा है।

हाथी की खुराक की व्यवस्था भी चुनौती

तीन लोगों की जान लेने के बाद विधायक विपिन सिंह ने हाथी गंगाराम को अपना मानने से इन्कार कर दिया था। हाथी के लाइसेंस का नवीनीकरण भी नहीं हुआ था, इसलिए फरवरी से वन विभाग ही इसकी देखरेख कर रहा है।

विनोद वन में रखे गए हाथी को रोज 25 किलो गन्ना, दो क्विंटल चरी, दो क्विंटल हरा पत्ता और 50 किलो गुड़ की खुराक दी जाती है। वन विभाग अब इस खुराक को जुटा पाने में खुद को असमर्थ बताते हुए प्रशासन से मदद मांग रहा है।

चिड़ियाघर में हाथी के लिए बनना था बाड़ा हाथी गंगाराम को रखने के लिए चिड़ियाघर में बाड़ा बनाने की योजना थी। इसके लिए 16 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भी तैयार कर भेजा गया, मगर स्वीकृति नहीं मिली। अब फिर करीब साढ़े छह करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है।

माफिया अतीक अहमद की फरार पत्नी शाइस्ता को हर माह 25 से 30 लाख रुपया पहुंचाता था नफीस बिरयानी

प्रयागराज के चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में आरोपित माफिया अतीक अहमद की फरार पत्नी शाइस्ता परवीन को ढूंढने के लिए पुलिस व एसटीएफ की टीमें अब गैंग के करीबियों को निशाना बना रही है। पुलिस ने ईटआन बिरयानी रेस्टोरेंट के मालिक नफीस को मुठभेड़ के बाद दबोचा है। पूछताछ के दौरान नफीस बिरयानी ने कई अहम राज उजागर किये हैं।

प्रयागराज। पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार माफिया अतीक अहमद के करीबी नफीस बिरयानी ने पूछताछ में पुलिस के सामने कई राज उगले हैं। वह ईटआन बिरयानी रेस्टोरेंट से कमाई करके हर महीने 25 से 30 लाख रुपये अतीक की बीवी शाइस्ता तक पहुंचाता था।

इतना ही नहीं, गुजरात के साबरमती जेल में बंद माफिया से मिलवाने के लिए अतीक की बीवी और नाबालिग बच्चों को फ्लाइट से ले जाता था। पुलिस का कहना है कि बिरयानी रेस्टोरेंट से नफीस प्रतिदिन पांच से सात लाख रुपये कमाता था और वह हर महीने शाइस्ता तक पैसा पहुंचाता था। माफिया के कहने पर हर काम करता था और गुर्गों का भी ख्याल रखता था। शाइस्ता जब–जब कहती, उसे बेटे एहजम व अबान के साथ कार से वाराणसी ले जाता और फिर वहां से फ्लाइट से गुजरात। आखिरी बार जनवरी 2023 में सभी लोग गुजरात गए थे। पुलिस को चार बार की फ्लाइट का रिकार्ड भी मिला है। अतीक के परिवार के साथ ही वह एक महिला को भी फ्लाइट से गुजरात भिजवाया करता था, जो माफिया की काफी करीबी थी। डीसीपी सिटी दीपक भूकर के मुताबिक नफीस बिरयानी ने पूछताछ के दौरान कई राज खोले हैं। रेस्टोरेंट की कमाई से लेकर माफिया की प्रापर्टी के संबंध में भी जानकारी दी है। उसके बयान के आधार पर दूसरे तथ्यों की पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी बेसिक शिक्षकः जनवरी में होंगे परस्पर तबादले

नहीं टूटेगा शिक्षकों का जोड़ा, प्रमोशन को लेकर अब भी रोड़े

लखनऊ। बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने बताया कि जिले के अंदर और एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले पर प्रमुख सचिव ने कहा कि परस्पर तबादले जनवरी के पहले सप्ताह में किए जाएंगे। बेसिक विद्यालयों के शिक्षकों के परस्पर तबादले व पदोन्नति को लेकर बृहस्पतिवार को उप्र. बीटीसी शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम से मिला। प्रमुख सचिव ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया है। बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने बताया कि जिले के अंदर और एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले पर प्रमुख सचिव ने कहा कि परस्पर तबादले जनवरी के पहले सप्ताह में किए जाएंगे। कोशिश होगी किसी शिक्षक का जोड़ा (पेयर) न टूटे। समय पर पदोन्नति की प्रक्रिया भी पूरी होगी। उन्होंने शिक्षामित्रों की समस्या का स्थायी हल निकालने का भी आश्वासन दिया। कहा, जिन महिला शिक्षामित्रों की शादी दूसरे जिले में हुई है, उनको और मूल विद्यालय में जाने के इच्छुक शिक्षामित्रों को अवसर दिया जाएगा।

संघ की अन्य मांगों पर प्रमुख सचिव ने कहा कि विद्यालयों के पास नशा व शराब की दुकानों को हटाने के लिए निर्देश दिए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश सचिव अमरेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश संगठन मंत्री शुभम शुक्ला, सविता यादव, लखनऊ के जिलाध्यक्ष श्याम शंकर यादव शामिल थे।

पदोन्नति की एक और तिथि बीती

बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों की उम्मीद को एक बार फिर झटका लगा है। विभाग की ओर से पदोन्नति को लेकर दी गई एक और तिथि बीत गई है। स्थिति यह है कि अभी भी चार जिलों की वरिष्ठता सूची मानव संपदा पोर्टल पर नहीं अपलोड हो पाई है। जबकि 22 नवंबर तक पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी कर आदेश जारी करना था।

फरवरी से चल रही पदोन्नति की प्रक्रिया

विभाग में फरवरी से पदोन्नति की प्रक्रिया चल रही है। इसे लेकर कई बाद आदेश जारी हुए और तिथि दी गई। इस संबंध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख सचिव डॉ. एमकेएस सुंदरम से भी मिला। प्रमुख सचिव ने पहले नौ नवंबर और फिर 22 नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। लेकिन यह प्रक्रिया नहीं पूरी हो सकी।

सूची पोर्टल पर नहीं अपलोड हो सकी

बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने आठ नवंबर को आदेश जारी कर कहा था कि 19 नवंबर तक सभी जिले शिक्षकों की वरिष्ठता सूची अपलोड करेंगे और 22 नवंबर तक पात्र शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी करेंगे। हालत यह है कि बृहस्पतिवार 23 नवंबर की शाम तक वाराणसी, मथुरा, औरैया, बुलंदशहर की वरिष्ठता सूची पोर्टल पर नहीं अपलोड हो सकी। इनके चक्कर में अन्य जिलों की भी पदोन्नति की प्रक्रिया नहीं पूरी हो सकी।

जल्द पूरी होगी प्रक्रिया

पदोन्नति से जुड़ी आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। शिक्षकों की काफी संख्या होने व कुछ दिक्कत से इसमें समय लग रहा है। जिन जिलों की वरिष्ठता सूची नहीं आई, वहां के बीएसए को नोटिस जारी किया जाएगा। सूची अपलोड कराके प्रक्रिया जल्द पूरी कराई जाएगी।

यूपीः शेरदिल था मेरा बेटा...

व्यर्थ नहीं जाएगा बलिदान, ये कहते-कहते बिलख पड़े कैप्टन शुभम के पिता

आतंकी मुठभेड़ में बलिदान हुए अमर बलिदानी कैप्टन शुभम के पिता आगरा जिला एवं सत्र न्यायालय में जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) फौजदारी पद पर 2017 से तैनात हैं। ताजनगरी फेज–वन स्थित प्रतीक एन्क्लेव में घर पर बृहस्पतिवार को लोगों का तांता लगा रहा। शुभम के पिता ने कहा कि उनके बेटे का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

आगरा। जम्मू–कश्मीर के राजोरी में आतंकियों से लोहा लेते हुए आगरा के लाल शुभम गुप्ता ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। पिता बसंत गुप्ता का रो–रोकर बुरा हाल है। बहादुर बेटे की यादें साझा करते ही उनकी आंखें भर आती हैं और जुबान लड़खड़ाने लगती है। मेरा बेटा शेरदिल था। निडर और जांबाज था।

सबसे बड़ी बात वो हर काम के लिए तैयार रहता था। मुझे उस पर गर्व है। उसका सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। जिन आतंकियों ने यह कृत्य किया है, भारतीय सेना उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देगी। ये कहना है राजोरी में बलिदान कैप्टन शुभम के पिता बसंत गुप्ता का।

आतंकी मुठभेड़ में बलिदान हुए अमर बलिदानी कैप्टन शुभम के पिता आगरा जिला एवं सत्र न्यायालय में जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) फौजदारी पद पर 2017 से तैनात हैं। ताजनगरी फेज–वन स्थित प्रतीक एन्क्लेव में घर पर बृहस्पतिवार को लोगों का तांता लगा रहा। शुभम के पिता ने कहा कि उनके बेटे का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उसके साथियों ने संकल्प लिया है कि आतंकवादियों को नेस्तनाबूत कर देंगे।

उन्होंने शुभम के बारे में कहा कि उनका (शुभम का) लक्ष्य था कि कुछ बड़ा काम करना है। हटकर करना है। जहां भी रहना है टॉप पर रहना है। सेना में जब गया था तब भी उनका यही कहना था कि देश के लिए बहुत कुछ करना है। हम एक साल से कह रहे थे बेटा शादी कर लो। वो कहता था एक बड़ा काम कर लूं। 15 दिनों से मेरी फोन पर उनसे बात हो रही थी।

मैंने कहा कुछ दिन की छुट्टियां प्लान कर लो। कहा कि एक काम पेंडिंग है। दो दिन पहले भी मेरी फोन पर बात हुई थी। मैंने घर आने को कहा था, तो बोला एक बड़े मिशन पर हूं। जल्द घर आऊंगा। यह कहते हुए पिता की आंख नम हो गईं। बसंत गुप्ता के दो बेटे हैं। जिनमें शुभम बड़ा और ऋषभ छोटा है।

आज आ सकता है कैप्टन का पार्थिव शरीर

बुधवार सुबह जम्मू कश्मीर में मुठभेड़ हुई। रात में सैन्यकर्मियों के अमर बलिदान की खबर शहर में दौड़ गई। सुबह तड़के से ही कैप्टन शुभम के घर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग गया। बृहस्पतिवार को शुभम का पार्थिव शरीर आने की सूचना थी, लेकिन शाम तक नहीं आ सका। सेना के अधिकारियों ने परिजन को बताया कि शुक्रवार को कैप्टन का पार्थिव शरीर आगरा लाया जा सकता है।

50 लाख की मदद, स्वजन को नौकरी, बनेगा शहीद मार्ग

आगरा के लाल की शहादत पर शहर में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैप्टन के बलिदान पर परिवार को ढांढस बंधाया। आर्थिक मदद के रूप में 50 लाख रुपये, स्वजन को नौकरी और एक सड़क मार्ग का नामकरण कैप्टन शुभम गुप्ता के नाम पर करने का ऐलान किया है। प्रभारी मंत्री एके शर्मा ने परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। बृहस्पतिवार को सरकार में कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, बेबी रानी मौर्य, धर्मवीर प्रजापति, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डॉ. धर्मपाल सिंह, छोटे लाल वर्मा, एमएलसी विजय शिवहरे सहित सभी भाजपा के जनप्रतिनिधि बसंत गुप्ता के आवास पर पहुंचे। सिटी मजिस्ट्रेट ने मुख्यमंत्री का संदेश शुभम के घर जाकर पढ़कर सुनाया।

यूपीः शहरों के बंद पड़े सिनेमाघरों में अब बन सकेंगे बहुमंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सरकार ने दी अनुमति

लखनऊ। प्रदेश में करीब 800 सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर बंद हो चुके हैं और लगभग 150 बंद होने के कगार पर हैं। सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर अधिकांशतः शहर के पुराने सघन इलाकों में स्थित है।

यूपी के शहरों के मुख्य बाजारों में बने और बंद पड़े सिनेमाघरों को अब बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स बनाने की अनुमति दे दी गई है। अभी तक उनको तोड़कर मार्केट बनाने की अनुमति नहीं थी।

राज्य सरकार ने वर्षों से बंद पड़े सिनेमा हॉल के संचालकों को बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स बनाने की अनुमति दे दी है। अब ऐसे सिनेमा हॉल की जमीन पर मास्टर प्लान में निर्धारित भू उपयोग के आधार पर बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स बनाया जा सकेगा। अलबत्ता नक्शा पास करने से पहले मनोरंजन कर से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा।

आवास विभाग के विशेष सचिव उदय भानु त्रिपाठी ने राज्यकर विभाग की सहमति के बाद इस बाबत शासनादेश जारी कर दिया है।

दरअसल, प्रदेश में करीब 800 सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर बंद हो चुके हैं और लगभग 150 बंद होने के कगार पर हैं। सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर अधिकांशतः शहर के पुराने सघन इलाकों में स्थित है। उधर, सिनेमा हॉल के बंद होने के बावजूद इसकी जमीन का उपयोग नहीं हो पा रहा है। इससे सिनेमा हॉल मालिक के साथ ही सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। इन स्थितियों को देखते हुए सरकार ने सिंगल स्क्रीन वाले सिनेमा हॉल की जमीन पर बहुमंजिला भवन बनाने की अनुमति दी है।

अब्दुल्ला के दो पासपोर्ट मामले में बचाव पक्ष को मिला गवाह से जिरह का अवसर

इस मामले की सुनवाई थी। भाजपा विधायक के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि बचाव पक्ष के अधिवक्ता द्वारा अदालत में प्रार्थना पत्र देकर विवेचन अधिकारी से जिरह का अवसर दिए जाने का अनुरोध किया जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। वहीं अब अदालत ने पहली दिसंबर को गवाह को तलब किया है।

संवाददाता, रामपुर : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला के दो पासपोर्ट मामले में अदालत ने उन्हें राहत दी है। अदालत ने बचाव पक्ष पक्ष को गवाह से जिरह का अवसर दे दिया है। बचाव पक्ष अब पहली दिसंबर को गवाह से जिरह करेगा।
अब्दुल्ला के खिलाफ दो पासपोर्ट का मामला भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने दर्ज कराया था। उनका आरोप है कि अब्दुल्ला ने अलग–अलग जन्मतिथि से दो पासपोर्ट बनवाए हैं। इस मामले की सुनवाई एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है। इसमें गवाही की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी थी।
मुकदमे के विवेचना अधिकारी दारोगा लखपत सिंह से बचाव पक्ष द्वारा जिरह नहीं करने पर अदालत ने अवसर समाप्त कर दिया था। साथ ही अब्दुल्ला को धारा 313 के अंतर्गत बयान दर्ज करने के लिए तलब किया था। इस मामले की सुनवाई थी। भाजपा विधायक के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि बचाव पक्ष के अधिवक्ता द्वारा अदालत में प्रार्थना पत्र देकर विवेचन अधिकारी से जिरह का अवसर दिए जाने का अनुरोध किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने पहली दिसंबर को गवाह को तलब किया है।

'पनौती', 'जेबकतरे' पर फंसे राहुल गांधी

चुनाव आयोग ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

कांग्रेस नेता राहुल गांधी विवादित टिप्पणी को लेकर मुश्किल में हैं। चुनाव आयोग ने राहुल के विवादित बयानों को लेकर उन्हें नोटिस जारी किया है। राहुल गांधी को इस नोटिस का जवाब देने के लिए 25 नवंबर तक का समय मिला है। बता दें कि राहुल गांधी ने राजस्थान में चुनावी जनसभाओं के दौरान पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी की थी।

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता मुश्किल में घिर गए हैं। राहुल गांधी के बयान को लेकर चुनाव आयोग ने एक्शन लिया है। आयोग की तरफ से राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है। कांग्रेस नेता से जवाब भी मांगा गया है। राहुल को जवाब देने के लिए 25 नवंबर तक का समय दिया गया है।

भाजपा ने की थी कार्रवा की मांग

गौरतलब है कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर बीजेपी नेताओं ने कार्रवाई की मांग की थी। पार्टी महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल, ओम पाठक सहित पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भी सौंपा था। ज्ञापन में मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के खिलाफ धोखाधड़ी, आधारहीन और अपमानजनक आचरण के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करके तत्काल हस्तक्षेप किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि कांग्रेस नेताओं के बयान चुनावी माहौल को खराब कर देंगे। इससे सम्मानित व्यक्तियों को बदनाम करने के लिए अपशब्दों, आपत्तिजनक भाषा का उपयोग और झूठी खबरों को रोकना मुश्किल हो जाएगा।

माफी मांगें राहुल गांधी: बीजेपी

राहुल के बयान पर बीजेपी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया भी दी। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणी कर राहुल गांधी ने अपना असली रूप दिखा दिया है। रविशंकर ने यह भी याद दिलाया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के दौरान जब सोनिया गांधी ने उन्हें मौत का सौदागार कहा था, तब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की क्या हालात हुई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पर राहुल गांधी का बयान घोर निंदनीय है और इसके लिए उन्हें माफी मांगनी ही होगी। उन्होंने साफ कर दिया कि माफी नहीं मांगने की स्थिति में भाजपा इसे गंभीर मुद्दा बना सकती है।

राहुल ने पीएम पर की थी विवादित टिप्पणी

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद पीएम पर विवादित टिप्पणी की थी। राहुल ने राजस्थान में एक चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ 'पनौती' शब्द का इस्तेमाल किया था। हालांकि, कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी का नाम नहीं लिया था।

पीएम मोदी का मथुरा दौरा राजस्थान चुनाव और लोकसभा 2024 से पहले बीजेपी का मास्टर गेम प्लान तो नहीं, बदलेंगे कई समीकण

मथुरा। भाजपा के संकल्प पत्र के तीन बिंदु रहे हैं... अयोध्या, मथुरा और काशी। यहां भव्य मंदिर बनें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि अयोध्या, काशी बदल गए हैं। अब मथुरा में दिव्यता से दर्शन का लक्ष्य बाकी है। जिस पर आगे बढ़ने की तैयारी है। मोदी ने मां गंगा के पुराने संवाद को दोहराते हुए अबकी बार स्वयं को कृष्ण से जोड़ा।
कृष्ण के द्वारकाधीश बनने में गुजरात की भूमिका की याद दिलाई। प्रधानमंत्री बनने के बाद चौथी बार मथुरा पहुंचे नरेन्द्र मोदी मीराबाई की 525 वीं जयंती समारोह के मंच से बोले कि यहां वही आता है, जिसे श्रीकृष्ण बुलाते हैं। यह कहते हुए स्वयं को कृष्ण भक्त बताया। साथ ही तीन राज्यों यानी उप्र, राजस्थान और हरियाणा में फैले ब्रज क्षेत्र को संवारने की बात कही।
मोदी ने ऐसा कहकर राजस्थान की उप्र सीमा से जुड़ी सीटों पर भाजपा को अतिरिक्त दम दे दिया। संवाद के प्रारंभ में कहा भी कि राजस्थान के चुनावी मैदान से आया हूं। मीराबाई की भक्ति से राजस्थान के पराक्रम को जोड़ा। मीराबाई और मथुरा से गुजरात का रिश्ता स्थापित किया, तो कृष्ण और गुजरात का भी।
2014 में केंद्रीय राजनीति में आने के बाद काशी में चुनाव से पहले मुझे मां गंगा ने बुलाया है, कहने वाले मोदी ने कहा कि यहां वही आता है, जिसे श्रीकृष्ण बुलाते हैं। इसके आगे काशी के विश्वनाथ धाम की बदली तस्वीर याद दिलाते हुए कहा, अब अयोध्या में राम मंदिर की तिथि आ गई। मंच से प्रधानमंत्री ने विपक्ष को भी आड़े हाथों लिया।
पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद कुछ लोग भारत को अतीत से काटना चाहते थे, लेकिन हम विरासत पर गर्व करते हैं। मोदी ने संबोधन का समापन भी श्रीकृष्ण से जोड़ते हुए नए अंदाज में किया। बोले, महाभारत प्रमाण है कि जब पुनरुत्थान होता है तो वहां श्रीकृष्ण का आशीर्वाद होता है। हम उन्हीं के आशीर्वाद से संकल्प को पूरा करेंगे।
मोदी का कार्यक्रम ऐसे समय में हुआ, जब हाई कोर्ट ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर कारिडोर बनाए जाने के लिए हरी झंडी दे चुका है। मथुरा और वृंदावन में विकास की तस्वीर बदलने की आस भी मोदी के संबोधन से जोड़ी जा रही है।
बता दें कि राजस्थान के शाही राजपूताना परिवार से संबंध रखने वाली मीराबाई का कान□हा की नगरी से अटूट नाता है। वे भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं और अपने जीवन के अंतिम 15 वर्ष उन्होंने कान्हा की नगरी में उनकी आराधना करते हुए गुजारे। मीराबाई का वृंदावन में मंदिर भी है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान में 32 साल बाद दर्शन

भले ही प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने श्रीकृष्ण जन्म स्थान के दर्शन पहली बार किए हों, लेकिन 32 साल पहले मोदी यहां आए थे। 1991 में भाजपा के संगठन मंत्री के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिनिधि सभा की बैठक में आए थे। तब उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गर्भगृह में दर्शन किए थे।

हेमा की नाटिका से जीवंत हो उठीं गिरधर की मीरा

गुरुवार की शाम जब गोपाल की धरती पर मीरा बनकर सांसद हेमा मालिनी ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की, ब्रज की भूमि पर पांच सौ वर्षों बाद फिर एक बार मीराबाई जीवंत हो उठीं।
करीब डेढ़ घंटे की ये नृत्य नाटिका देख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मंत्रमुग्ध हो गए। हेमा की हर भाव भंगिमा मीरा की याद दिलाती रही।

'मंदिर में घंटा बजाइए...'

हलाल सूटफाइड प्रोडक्ट्स पर ये क्या बोल गए तेजस्वी यादव, गिरिराज की चिट्ठी पर दिया जवाब

डिजिटल डेस्क, पटना। यूपी के बाद बिहार में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध का मामला जोर पकड़ने लगा है। इसे लेकर राज्य के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखने के बाद यह मुद्दा जोर पकड़ रहा है। गिरिराज सिंह के चिट्ठी लिखने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में तेजस्वी यादव ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा।

तेजस्वी बोले– नौकरी देने से पेट भरेगा

दरअसल, तेजस्वी यादव ने कहा कि इस पर टीका–टिप्पणी ठीक नहीं है। ये (भाजपा) तो हिंदू–मुसलमान करेंगे। यही तो फर्क हैं उनमें (भाजपा) और हम लोगों में। हम लोग गरीबी मिटाने की बात करते हैं। रोजगार देने की बात करते हैं। विकास की बात करते हैं।
उन्होंने कहा कि ये लोग हिंदू–मुसलमान और मंदिर–मस्जिद की बात करते हैं। एक बात जान लें वो लोग (भाजपा), जनता का पेट है ना; नौकरी देने से भरेगा। विकास करने से भरेगा।
ये नहीं कि हिंदू–मुसलमान करते रहिए, मंदिर में घंटा बजाईए.. इससे कुछ होने वाला नहीं है। इन लोगों की राजनीति आप देखिए ना।
तेजस्वी ने सवाल किया कि नौकरी पाने के लिए यूपी के लोग बिहार आ रहे हैं कि नहीं? यूपी के लोग ही, जिनको नौकरी मिली है, वो क्या कह रहे हैं?
केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के अपनी चिट्ठी में हलाल प्रोडक्ट्स को इस्लामिक आतंकवाद बताए जाने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार उनकी है ना? उनकी सरकार में कितना आर्म मैन्युफैक्चरिंग बढ़ी है, उनको ये बताना चाहिए।

गिरिराज लसह की सीएम नीतीश को चिट्ठी

बता दें कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (छपजपीं झनउंत) को लिख गई चिट्ठी में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्टस को बिहार में बैन करने की मांग की है।
उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में हलाल कारोबार संविधान के खिलाफ और देशद्रोह है। उन्होंने बताया कि हलाल प्रमाणन संबंधित व्यवसायिक गतिविधि का आकार लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर तक है।

कहीं 12 तो कहीं 900 के पार वायु प्रदूषण का स्तर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में किसी तरह की गिरावट देखने को नहीं मिल रही है। सरकार की कई कोशिशों के बाद भी कई शहरों का एक्यूआई 300 के पार ही दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली के प्रदूषण को लेकर राज्य के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आने वाले 2–3 दिनों में प्रदूषण में कमी होगी, इसलिए अब भी ग्रेप–3 लागू है, जिसके कारण कई चीजों पर पाबंदी बनी हुई है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण हालात में बदलाव

हालांकि, भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से प्रदूषण की 'गंभीर' स्थिति से थोड़ी राहत जरूर मिली है। कई शहरों में एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की दिशा बदलने के कारण अब पराली का धुआं दिल्ली–एनसीआर में प्रवेश नहीं कर रही है, जिस कारण स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। हालांकि, अब भी कई शहरों का एक्यूआई स्तर 300 के पार ही देखा जा रहा है।

दिल्ली–एनसीआर में जहरीली हवा

दिल्ली में प्रदूषण की चादर घनी हो गई है, जिसके कारण कई जगहों पर विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम है। सफर ऐप के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज ।फ॰ 388 रिकॉर्ड किया गया है।
वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, गुरुवार सुबह, जहांगीरपुरी में 434, बुराड़ी में 441, बवाना में 441, द्वारका में 412, आनंद विहार में 387, अशोक विहार में 386 एक्यूआई दर्ज किया गया है। इसके अलावा, नोएडा में ।फ॰ 363, ग्रेटर नोएडा में 369, गुरुग्राम में आज ।फ॰ का आंकड़ा 321 और फरीदाबाद में एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है।

क्या है प्रमुख शहरों का हाल

दिल्ली	637
पटना	413
मुम्बई	516
हैदराबाद	99
अहमदाबाद	187
लखनऊ	301
भोपाल	94

सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर

दिल्ली, दिल्ली	807
पटना, बिहार	716
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	714
बेगुसराय, बिहार	610
मेरठ, उत्तर प्रदेश	577
फरीदाबाद, हरियाणा	562
मुम्बई, महाराष्ट्र	561
गुरुग्राम, हरियाणा	524
जोधपुर, राजस्थान	475
मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश	432

सबसे कम प्रदूषित शहर

आइजोल, मिजोरम	12
कोयंबटूर, तमिलनाडु	12
पुडुचेरी	13
शिलांग, मेघालय	17
इलूर, केरल	18
नंदेसारी, गुजरात	20
तिरुवनंतपुरम, केरल	22
गंगटोक, सिक्किम	23
रामानाथपुरम, तमिलनाडु	24
रायचुर, कर्नाटक	25

एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिससे यह पता लगाया जाता है कि एक शहर की हवा कितनी प्रदूषित है। ।फ॰ के रेंज को बांटा गया है, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि कहां–कैसी स्थिति है। यदि एक्यूआई 50 के रेंज में है, तो इसे अच्छी श्रेणी में रखा जाता है, 51–100 में है तो, ठीक माना जाता है; 101–200 की श्रेणी अच्छी नहीं है; 201–300 के एक्यूआई को खराब की श्रेणी में रखा जाता है; 301–400 को बहुत खराब श्रेणी का माना जाता है और 401–500 को बेहद गंभीर या खतरनाक की श्रेणी में रखा गया है।

बॉलीवुड फिल्मों का क्रेज हमेशा से ही दर्शकों के बीच देखने को मिलता है। किसी समय पर फिल्मों की 100 करोड़ की कमाई होने पर उसे सुपरहिट करार दिया जाता था। हालांकि, वक्त के साथ हिट और फ्लॉप का यह पैमाना भी अब पूरी तरह से बदल चुका है। निर्माता मौजूदा समय में बड़े बजट की फिल्में बनाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं। मगर आज के समय में 100 करोड़ की कमाई के बाद भी फिल्म के हिट होने की कोई गारंटी नहीं रही है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही बॉलीवुड फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इन्हें फ्लॉप करार दिया गया है।

सलमान खान की यह फिल्म इसी साल 2023 में ईद के मौके पर रिलीज हुई थी। आमतौर पर इस त्यौहार पर रिलीज हुई सलमान खान की सारी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित होती है, लेकिन किसी का भाई किसी की जान को दर्शकों की तरफ से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर किसी तरह 110.53 करोड़ का कलेक्शन किया है। बड़ा बजट होने के कारण सलमान की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हो गई।

ठग्स अश्वफ लहदोस्तान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शन आमिर खान की फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' का लोगों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म में अमिताभ बच्चन, कटरीना कैफ और फातिमा सना शेख भी अहम भमिका में नजर आई थीं, लेकिन यह फिल्म लोगों को कुछ खास पसंद नहीं आई थी। 50 करोड़ से अधिक की ओपनिंग के बाद भी यह फिल्म बहुत मुश्किल से 100 करोड़ क्लब में शामिल हो सकी। फिल्म का निर्देशन विजय कृष्णा आचार्य ने किया था। 151.19 करोड़ के कारोबार के बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट नहीं रही थी।

83

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह की फिल्म 83 कोरोना महामारी के दौरान सिनेमाघरों के दोबारा खुलने के बाद रिलीज हुई थी। इस फिल्म से लोगों को काफी ज्यादा उम्मीदें थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का बजट 260 करोड़ था, लेकिन यह 109.02 करोड़ का कलेक्शन ही कर सकी थी।

शिवाय

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की फिल्म 'शिवाय' वर्ष 2016 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीद थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। बॉक्स ऑफिस पर 'शिवाय' ने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। सौ करोड़ के क्लब में शामिल होने के बाद भी इस फिल्म को फ्लॉप फिल्मों में गिना जाता है।

आदिपुरुष

प्रभास और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कृति सेनन की फिल्म 'आदिपुरुष' इसी वर्ष 2023 में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने भी 135.04 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी।

एक्टर आर माधवन ने खुलासा किया कि एक वक्त ऐसा था जब वह जूही चावला संग शादी करना चाहते थे।

वह इतना ज्यादा बेकरार थे कि उन्होंने ये बात अपनी मां से भी जाकर कह दी थी। उन्होंने तो मां से ये भी कह डाला था कि बस जूही चावला संग शादी करना ही उनका इकलौता मकसद है। आखिर क्या किस्सा है, क्या हुआ था और खुद एक्टर ने क्या बताया, सब जानिए।

नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रेलवे मैन' में जूही चावला भी है। को–एक्ट्रेस के बारे में बात करते हुए आर माधवन ने अपने क्रश के बारे में बताते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं जूही जी और सबके सामने ये कनफेस करना चाहता हूं कि जब मैंने इनकी 'कयामत से कयामत तक' देखी तो मैंने जाकर मां से कहा था कि मैं जूही चावला से शादी करना चाहता हूं। मेरा तो एक ही मकसद था कि मैं कैसे भी जूही संग शादी कर लूं।'

वो फिल्म, जिसकी बात आर माधवन ने की

मालूम हो 'कयामत से कयामत तक' में जूही चावला के साथ आमिर खान लीड रोल में थे जिसे मंसूर खान ने डायरेक्ट की थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सुपरहिट साबित हुई थी और साल 1988 की पांच सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार हो गई थी। फिलम को 8 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स भी मिले थे जिसमें जूही चावला ने बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड जीता था।

फ्लान्ट किया अपना फिगर यूजर बोले– 'आपको शर्म आनी चाहिए'

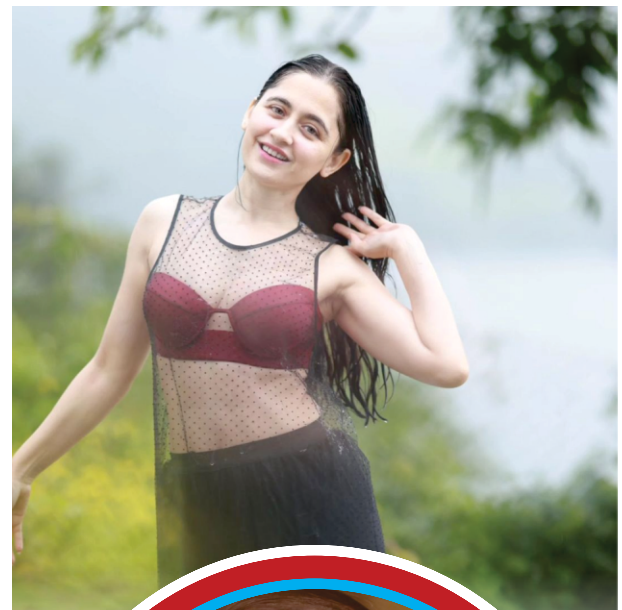

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस संजीदा शेख अक्सर अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती है। एक्ट्रेस की कातिल अदाओं के आगे इंडस्ट्री की कई एक्ट्रेसेज भी फेल हैं। पिछले कई सालों से संजीदा छोटे पर्दे से दूर हैं। सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती हैं। लगातार अपनी फोटोज साझा करती रहती हैं। अब एक बार फिर संजीदा शेख ने अपनी अदाएं दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन फोटो के चलते एक्ट्रेस ट्रोल्स के हत्थे चढ़ गई हैं।

कयामत, क्या होगा निम्मो का जैसे टीवी शो में नजर आ चुकीं संजीदा शेख संजीदा शेख की गिनती टीवी की बोल्ड एक्ट्रेसेस में होती हैं। संजीदा का सोशल मीडिया उनकी बोल्ड तस्वीरों से भरपूर है। इसी बीच उनकी नई तस्वीरें चर्चा में आई है। इस तस्वीर में ट्रांसपेरेंट आउटफिट में नजर आ रही हैं। साझा की फोटो में एक्ट्रेस रेड कलर की ब्रालेट के साथ ब्लैक ट्रांसपेरेंट डॉट्स टॉप पहने हुए है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग लॉन्ग स्कर्ट भी कैरी की हुई है। इन फोटोज में संजीदा ने अपना फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही है, लेकिन ट्रोल्स ने उन्हें एक बार फिर ट्रोल करना शुरू कर दिया।

कपड़े पहनना ही छोड़ दो– यूजर

संजीदा शेख की तस्वीर को जहां कुछ यूजर्स पसंद कर रहे हैं तो वहीं कई उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अब तुम कपड़े पहनना ही छोड़ दो। दूसरे यूजर ने लिखा, ये हमेशा ऐसे आधे कपड़ों में ही क्यू तस्वीर पोस्ट करती है। एक यूजर ने संजीदा का उर्फी का पार्ट 2 बताया है।

क्या हर्षवर्धन राणे को डेट कर रही हैं एक्ट्रेस

इस साल के शुरुआत में एक्ट्रेस का नाम एक्टर हर्षवर्धन राणे के साथ जोड़ा जा रहा था। दोनों की सफारी की एक फोटो सामने आई थी। हालांकि, इन खबरों पर दोनों सेलेब्स ने कई रिएक्ट नहीं किया था। बता दें, हर्षवर्धन राणे से संजीदा की मुलाकात फिल्म 'तैश' के सेट पर हुई थी। कहा जाता है इसी सेट से दोनों के प्यार की शुरुआत हुई।

टीम इंडिया में लंबे समय बाद लौटा ये मैच विनर कंगारुओं के लिए टी20 सीरीज में बनेगा काल!

दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का पहला मुकाबला विशाखापत्तनम के **ACA&VDCA** स्टेडियम में खेला जाएगा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए लंबे समय बाद भारतीय टीम में एक घातक क्रिकेटर की वापसी हुई है. ऑस्ट्रेलिया जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ भारत की युवा ब्रिगेड के लिए पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज जीतना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगी. भारतीय टीम में एक खिलाड़ी ऐसा मौजूद है, जो उसके लिए इस सीरीज में सबसे बड़ा हथियार साबित होगा.

ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने फिट होकर टीम इंडिया में वापसी कर ली है. अक्षर पटेल 3 महीने बाद भारत के लिए कोई टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेंगे. अक्षर पटेल ने भारत के लिए आखिरी टी20 मैच इसी साल अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में अक्षर पटेल टीम इंडिया की किस्मत पलटने के लिए तैयार हैं. अक्षर पटेल घातक लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजी और विस्फोटक बल्लेबाजी में भी माहिर हैं. ये खतरनाक खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए सबसे घातक हथियार साबित होगा, जो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेगा और गेंदबाजी में अपने 10 ओवरों के स्पेल में विरोधी टीमों के बल्लेबाजों के लिए काल साबित होगा.

टी20 सीरीज में कंगारुओं के लिए बनेगा काल!

अक्षर पटेल बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज भी हैं. बाएं हाथ के बल्लेबाज किसी भी टीम के लिए बहुत बड़े एक्स फैक्टर होते हैं, जो विरोधी टीम के लेग स्पिनर और बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ सबसे बड़े हथियार साबित होते हैं. अक्षर पटेल बेहतरीन बल्लेबाज, घातक गेंदबाज और फुर्तीले फील्डर का कम्पलीट पैकेज हैं. अक्षर पटेल ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं और गेंदबाज के रूप में विरोधियों के लिए सबसे बड़े काल साबित होते हैं. फील्डिंग के दौरान भी इस खिलाड़ी की फुर्ती के आगे विरोधी टीम के बल्लेबाज रन चुराने का रिस्क भी नहीं लेते हैं.

ऑस्ट्रेलिया को संभलकर रहने की जरूरत

ऑस्ट्रेलिया की टीम को पहले टी20 मैच में अक्षर पटेल से बहुत संभलकर रहना होगा. अक्षर पटेल ने 45 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 39 विकेट हासिल किए हैं और 328 रन भी बनाए हैं. अक्षर पटेल ने 54 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 59 विकेट हासिल किए हैं और 481 रन बनाए हैं. अक्षर पटेल ने 12 टेस्ट मैचों में 50 विकेट हासिल किए हैं और 513 रन भी बनाए हैं. अक्षर पटेल टेस्ट मैचों में 5 बार पारी में 5 विकेट चटकाने का कारनामा कर चुके हैं. इसके अलावा अक्षर पटेल एक बार एक मैच में 11 विकेट हासिल कर चुके हैं.

बल्लेबाजों को मुफ्त में मिल जाएंगे 5 रन, देरी करने पर गेंदबाजी टीम पर लगेगी पेनल्टी, नए नियम का एलान

वनडे और टी–20 में आईसीसी ने किया नए नियम का एलान
60 सेकेंड में ओवर शुरू नहीं करने पर लगेगी बॉलिंग टीम पर पेनल्टी
दिसंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक नए नियम का होगा ट्रायलं

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। वनडे और टी–20 फॉर्मेट में समय का खास ख्याल रखने के लिए आईसीसी एक नए नियम को लागू करने जा रहा है।

दरअसल, नियम के अनुसार अब गेंदबाजी टीम को एक ओवर खत्म होने के बाद अगला ओवर शुरू करने के लिए 60 सेकेंड का समय दिया जाएगा। इस तय समय के अंदर अगर गेंदबाज अपने ओवर को शुरू नहीं कर पाता है और ऐसा इनिंग के दौरान तीन बार होता है, तो बैटिंग टीम को पेनल्टी के तौर पर 5 रन मुफ्त में मिल जाएंगे।

गेंदबाजी टीम की बढ़ जाएंगी मुश्किलें

आईसीसी इस नए नियम को अभी दिसंबर 2023 से लेकर अप्रैल 2024 तक ट्रायल के तौर पर इस्तेमाल करेगा।

एक ओवर के खत्म होने के बाद 'स्टॉप क्लॉक' की मदद से 60 सेकेंड के पूरे होने का पता लगाया जाएगा। पारी के दौरान एक टीम अगर तीन बार 60 सेकेंड के भीतर अगला ओवर शुरू करने में असफल रहती है, तो बैटिंग टीम को इसका फायदा मिलेगा और उनको 5 रन पेनल्टी के तौर पर मुफ्त में दिए जाएंगे। ट्रायल के दौरान अगर यह नियम उम्मीदों पर खरा उतरता है तो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल इसको पूर्ण रूप से लागू भी कर सकता है।

टाइम आउट की तरह नियम

आईसीसी का यह नया नियम ठीक 'टाइम आउट' से मेल खाता हुआ है।

टाइम आउट में अगर बल्लेबाज क्रीज पर पहुंचकर दो मिनट तक बॉल खेलने के लिए तैयार नहीं होता है, तो उसको आउट करार दिया जाता है। वर्ल्ड कप 2023 में एंजेलो मैथ्यूज इसका शिकार भी बने थे और शाकिब अल हसन की अपील पर उनको अंपायर ने आउट करार दिया था।

बैलटग टीम को मिलेगा फायदा

आईसीसी के नए नियम से बैटिंग टीम को जबरदस्त फायदा होगा। अभी तक तय समय के अंदर ओवर पूरे नहीं कर पाने पर टीम को एक अतिरिक्त फील्डर को 30 यार्ड के दायरे के अंदर रखना होता है। हालांकि, नए नियम के आने से गेंदबाजी टीम को समय का ज्यादा ख्याल रखना होगा।

हालांकि, इनिंग के बीच में दो बार 60 सेकेंड के अंदर ओवर शुरू ना कर पाने को बॉलिंग टीम पर एक्शन नहीं लिया जाएगा, लेकिन तीसरी बार यह गलती होने पर बैटिंग टीम को 5 रन मिल जाएंगे।

नंबर 1 बल्लेबाज बनने के पहुंचे करीब, कप्तान रोहित को भी हुआ बंपर फायदा

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली।वनडे विश्व कप 2023 में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (टपतंज ज्ञवीसप) का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने इस विश्व कप में सबसे ज्यादा रन (765) बनाए, जिसमें कुल 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल रहे। इस प्रदर्शन के बाद किंग कोहली को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' से नवाजा गया। इस बीच विराट कोहली ने आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में भी लंबी छलांग लगाई है।

किंग कोहली एक बार फिर से आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज बनने के करीब पहुंच गए हैं। वनडे रैंकिंग में विराट कोहली तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम और पहले नंबर पर शुभमन गिल हैं। दरअसल, आईसीसी वनडे रैंकिंग में विराट कोहली (टपतंज ज्ञवीसप) तीसरे स्थान पर पहुंच गए है। किंग कोहली ने विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल मैच में शानदार शतक जमाया था और फाइनल मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी, जिसका उन्हें ईनाम मिल गया है।

पूर्व भारतीय कप्तान की रेटिंग में भी फायदा हुआ है और उनकी निगाहें शुभमन गिल और बाबर आजम से आगे निकलकर पहला स्थान हासिल करने पर होगी। शुभमन गिल पहले स्थान पर हैं, जिनके खाते में 826 रेटिंग प्वाइंट्स हैं, जबकि बाबर आजम के खाते में 824 अंक हैं। किंग कोहली 791 अंकों के साथ तीसरे और कप्तान रोहित शर्मा 769 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

1. शुभमन गिल– 826 रेटिंग प्वाइंट्स
2. बाबर आजम– 824 रेटिंग प्वाइंट्स
3. विराट कोहली– 791 रेटिंग प्वाइंट्स
4. रोहित शर्मा– 769 रेटिंग प्वाइंट्स
5. क्विंटन डिकॉक– 760 रेटिंग प्वाइंट्स

हालांकि, विश्व कप 2023 के बाद भारतीय गेंदबाजों को आईसीसी रैंकिंग में नुकसान हुआ है। मोहम्मद सिराज दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वहीं, कुलदीप यादव छठे से सातवें पर आ गए हैं। विश्व कप 2023 में शानदार परफॉर्म करने वाले मोहम्मद शमी 10वें स्थान पर हैं। रवींद्र जडेजा को भी एक अंक का घाटा हुआ हैं। वह 10वें स्थान पर फिसल गए हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में विराट कोहली (टपतंज ज्ञवीसप) तीसरे स्थान पर पहुंच गए है। किंग कोहली ने विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल मैच में शानदार शतक जमाया था और फाइनल मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी जिसका उन्हें ईनाम मिल गया है। पूर्व भारतीय कप्तान की रेटिंग में भी फायदा हुआ है और उनकी निगाहें शुभमन गिल और बाबर आजम से आगे निकलकर पहला स्थान हासिल करने पर होगी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।